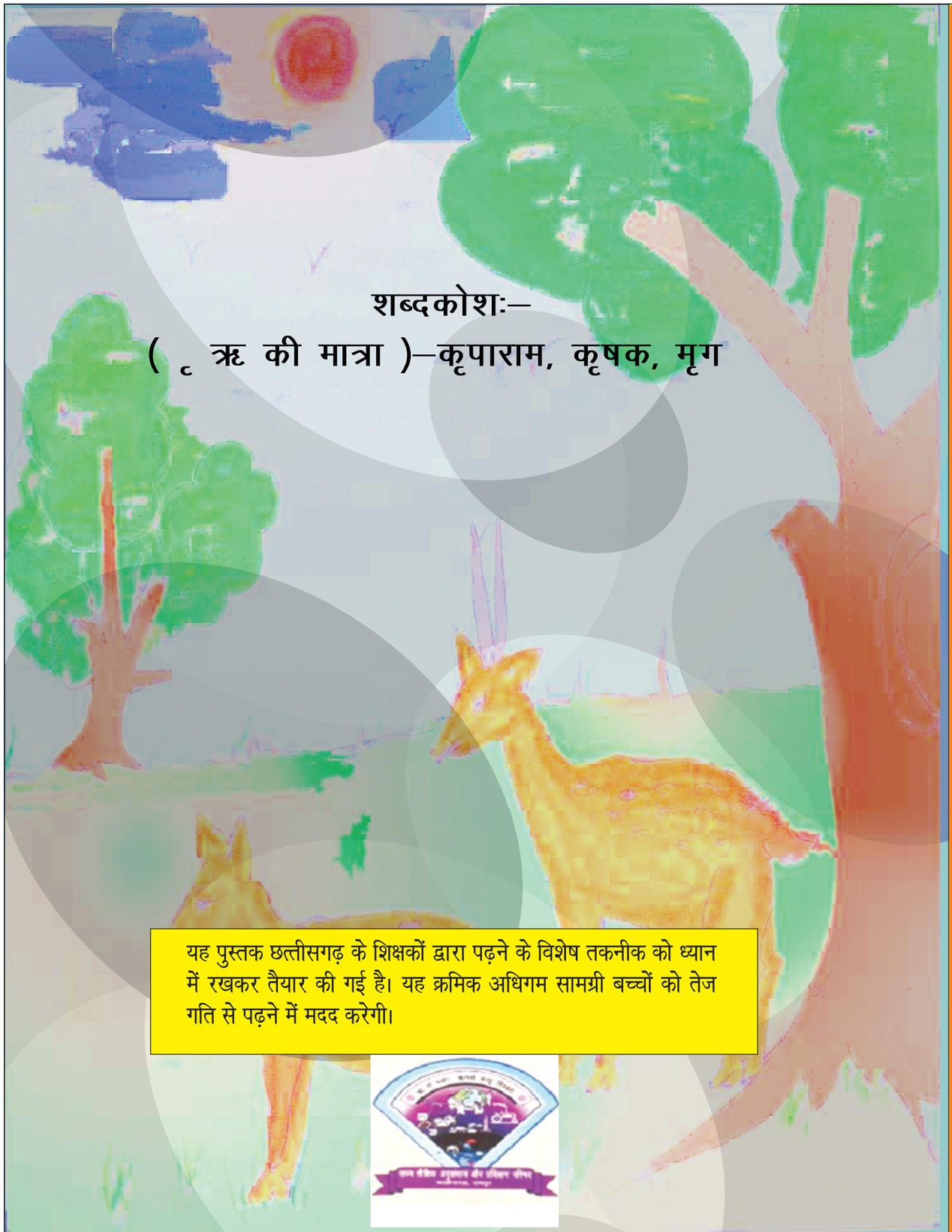

शब्दकोशः–

(ृ ऋ की मात्रा)–कृपाराम, कृषक, मृग

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

17

मृग की ममता

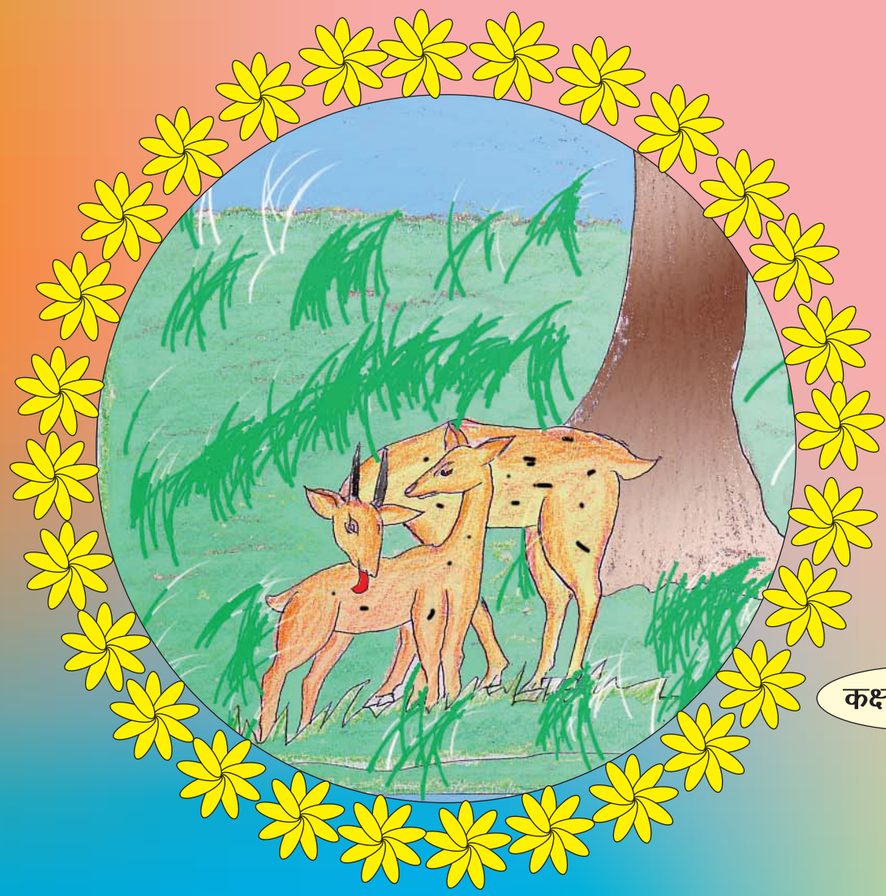

कक्षा–दूसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

कृपाराम की फसल को मृग खा जाते थे।
कृपाराम ने खेत में बाड़ा लगाया।

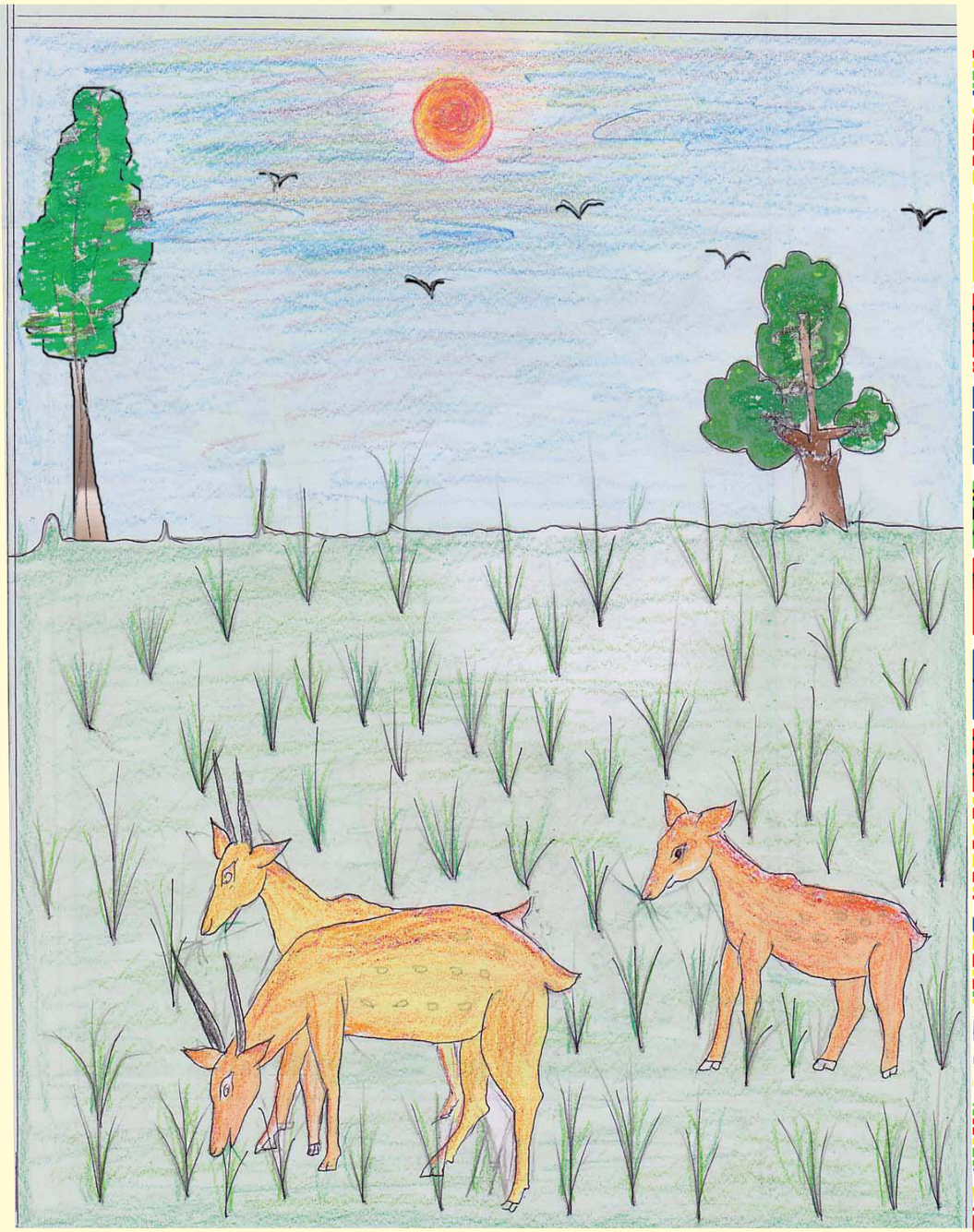

सभी मृग बहुत खुश हुए। वे उछल–कूद
करते हुए जंगल की ओर चले गए।

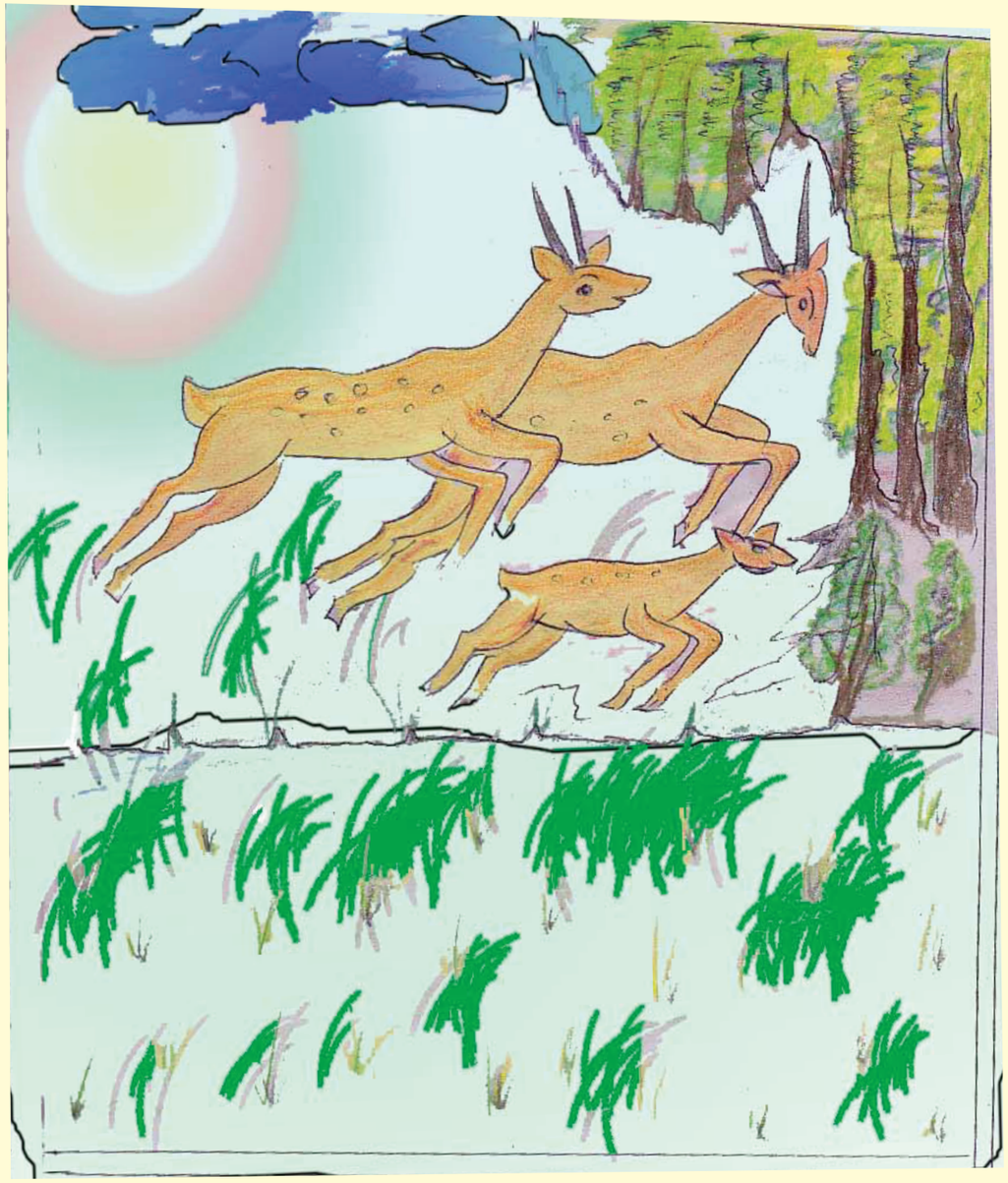

एक–एक कर सभी मृग उस वृक्ष के पास आ गए। यह देखकर किसान का हृदय पिघल गया। उसने छोटे मृग के बंधन खोल दिए।

एक दिन मृग बाड़ा कूदकर खेत में घुस गए। कृषक ने मृगों को दौड़ाया। एक छोटा मृग पकड़ा गया।

कृपाराम ने उसे वृक्ष से बाँध दिया।
छोटा मृग उदास हो गया।

छोटे मृग की माँ भी बहुत दुखी हुई।
वह अपने बच्चे के पास आ गई।